This question paper contains 2 printed pages.

M.A. (Sem. - I) 000077 Roll No. 67/8176

HIN - 102

Hin. Sah. Ka Iti

M.A. (Hindi) (Semester - I) EXAMINATION - Dec. 2025

HINDI

Paper Code : HIN - 102

(हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल)

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 100

सभी (लघुत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें। लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही दीजिए। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर–पुस्तिका में अलग–अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें।

सूचना: प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न–पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि का दिग्दर्शन कराइए। 20

अथवा

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन परम्परा की समीक्षा करते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन पर अपना मत प्रस्तुत कीजिए।

2. "इस काल में हमें इतनी विविध काव्यधाराओं की उपस्थिति मिलती है कि उन्हें किसी एक नाम से सम्बोधित करना संभव नहीं है अतः इस काल को आदिकाल के नाम से अभिहित करना ही समीचीन रहेगा।" इस कथन के आलोक में आदिकाल के नामकरण पर विस्तारपूर्वक विचार कीजिए। 20

अथवा

"हिन्दी साहित्य का आदिकाल सर्वाधिक विवादास्पद काल है।" इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट करते हुए आदिकाल की समस्याओं पर विचार कीजिए।

Ruoldpapers.com

3. हिन्दी के आदिकालीन सिद्ध एवं नाथ साहित्य का परिचय देते हुए इनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

'रासो' शब्द की व्युत्पत्ति बताते हुए रासो काव्य परम्परा में 'पृथ्वीराज रासो' का स्थान निर्धारित कीजिए।

4. आदिकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

आदिकाल में रचित गद्य साहित्य का विवेचन कीजिए।

5. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियां लिखिए: 10X2=20

(क) आदिकाल का सीमांकन

(ख) जैन साहित्य

(ग) लौकिक साहित्य

(घ) साहित्य का इतिहास दर्शन

(ड़) डिंगल भाषा का महत्व

Ruoldpapers.com